ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 17-01-2025

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-01-17 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-01-18	2025-01-19	2025-01-20	2025-01-21	2025-01-22
वर्षा (मिमी)	NA	NA	NA	NA	NA
अधिकतम तापमान(से.)	NA	NA	NA	NA	NA
न्यूनतम तापमान(से.)	NA	NA	NA	NA	NA
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	NA	NA	NA	NA	NA
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	NA	NA	NA	NA	NA
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	NA	NA	NA	NA	NA
पवन दिशा (डिग्री)	NA	NA	NA	NA	NA
क्लाउड कवर (ओक्टा)	NA	NA	NA	NA	NA

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले दिनों में बादल छाए रहने की संभावना। अधिकतम तापमान 24.0 से 28.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 10.0 से 12.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना। हवा की गति 8-12 किमी/घंटा रहने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

आने वाले दिनों में बादल छाए रहने की संभावना। अधिकतम तापमान 24.0 से 28.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 10.0 से 12.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना। हवा की गति 8-12 किमी/घंटा रहने की संभावना है।

लघु संदेश सलाहकार:

मौसम की स्थिति फसलों में कीट और रोगों की घटनाओं को बढ़ाने के लिए अनुकूल है। इसलिए नियमित रूप से अपने फसल क्षेत्र का दौरा करें और नियंत्रण उपायों का उपयोग करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	गेहूं की फसल में बालियां आना शुरू होने पर बुवाई के 70 दिन बाद सिंचाई करें। फसल में दीमक का प्रकोप दिखाई देने पर क्लोरोपायरीफास 4 लीटर प्रति हैक्टेयर सिंचाई के साथ दें।
रेंड़ी	जीरे की फसल में किसान भाई एफिड कीट की लगातार निगरानी करते रहें। कीट का प्रकोप दिखाई देने पर नियंत्रण हेतु डाइमिथोएट 30 ईसी. एक मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से या ऐसीफेट 75 एस.पी. 750 ग्राम प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
जीरा	जीरे और इसबगोल की फसल में उखटा रोग का प्रकोप पौधों की छोटी अवस्था में अधिक होता है। रोग के नियंत्रण के लिए दो ग्राम रिडोमिल प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
मेंथी	मैथी की फसल में पुष्पन अवस्था पर सिंचाई करें। फसल में छाछया रोग के नियंत्रण के लिए केराथेन 500 मिली. लीटर का प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाहः

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं में खुरपका मुहँपका का प्रकोप बढ़ने की संभावना हैं अतः किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि पंजीकृत पशु चिकित्सक की सलाह अनुसार रोग से बचाव हेतू ऑक्सीटेट्रा साईक्लीन इंजेक्शन के साथ बालस बायोबुस्ट तथा शरीर के ताप नियंत्रण हेतू बालस मेलोक्सिकेम पैरासिटामोल दे।